# पहले दिन से ही अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ान की सेवाएं

## नोएडा एयरपोर्ट को दिसंबर में एयरोड्रोम लाइसेंस मिलने की उम्मीद

माई सिटी रिपोर्टर

**ग्रेटर नोएडा।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने का सपना अगले वर्ष पूरा हो जाएगा। ट्रायल सफल होने के साथ ही व्यावसायिक संचालन के लिए नियत तिथि 17 अप्रैल 2025 पर मुहर लगा गई है। खास बात यह है कि पहले ही दिन से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों फ्लाइट शुरू होगी। विमानों की उड़ान शुरू करने के लिए हवाई संबंधी सभी जरूरी कार्य पूरे हो चुके हैं। अब सबकुछ तय योजना के अनुसार ही रहा तो इस एयरपोर्ट से हवाई यात्रा के लिए फरवरी से टिकट बुकिंग सेवा भी शुरू हो जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर पहुंचे एयरबस ए 320 में क्रू मेंबर, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और एयरपोर्ट का तकनीकी स्टाफ मौजूद था। लैंडिंग से लेकर टेक ऑफ तक पूरा तकनीकी डाटा इस टीम ने एकत्र कर लिया है। डीजीसीए इस डा के आधार पर लाइसेंस जारी करेगा। दरअसल, एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होने से पहले उड़ान अनुसूची निर्धारित करने और जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने को समय सीमा निर्धारित की गई है। प्रमुख एजेंसियों ने एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ाने शुरू करने के लिए 17 अप्रैल का दिन निर्धारित किया है। टिकट बुकिंग सेवा इंटरनेशनल के लिए उड़ान शुरू होने से 90 दिन और घरेलू के लिए छह हफ्ते पहले शुरू हो जाएगी। एयरोड्रोम लाइसेंस के लिए दिसंबर में आवेदन किया जाएगा, जिसे 90 दिनों में नागरिक उड्डयन मंत्रालय (डीजीसीए) से अनुमति मिलने का नियम हैं। मार्च तक रनवे पर विमान उतारने के लिए लाइसेंस मिलने की उम्मीद है। यहां बता दें कि एयरपोर्ट का 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। कैट-1 और कैट-3 उपकरण स्थापित हो चुके हैं जो कोहरे में विमान की ऊंचाई और दृश्यता की जानकारी देते हैं। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) को स्थापित किया जा चुका है। जिसकी एयरक्राफ्ट बीच किंग एयर 360 ईआर के जरिए 10 से 14 अक्टूबर तक जांच की जा चुकी है।

ट्रायल के दौरान रनवे पर पहली बार उतरा विमान। अमर उजाला

### नए साल में पूरा हो जाएगा टर्मिनल बिल्डिंग का काम

वर्क प्रोग्रेस रिपोर्ट में बताया गया था कि 3.9 किमी रनवे का काम 100 प्रतिशत पूरा हो गया है। साथ ही टर्मिनल बिल्डिंग का काम एक महीने में पूरा कर लिया जाएगा। टर्मिनल बिल्डिंग में छत की फिनिशिंग का काम चल रहा है है। इसके पूरा होते ही टर्मिनल बिल्डिंग में विभिन्न प्रकार के उपकरण व सेटअप स्थापित किए जाएंगे। 38 मीटर ऊंचा एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर बनकर तैयार है। इसके साथ ही व्यावसायिक संचालन के लिए 1334 हेक्टेयर में बन रहे इस एयरपोर्ट के पहले चरण का 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है। हालांकि इस पूरे एयरपोर्ट का निर्माण 6 हजार 500 हेक्टेयर में चार फेज में किया जाएगा, जिसमें 29 हजार 650 करोड़ रुपए खर्च होने है। पहले चरण के निर्माण में 10,056 करोड़ रुपए खर्च होंगे और अब तक करीब 8 हजार करोड़ रुपए खर्च हो चुके है।

### फरवरी के पहले सप्ताह में पूरी होगी एआईपी की प्रक्रिया

फ्लाइट शुरू करने के लिए एआईपी पब्लिकेशन की जरूरत होती हैं, यह आईटा की वेबसाइट पर किया जाता हैं, जिसमें दुनिया के सभी देशों को नए एयरपोर्ट शुरू होने की जानकारी दी जाती है। यह प्रक्रिया फरवरी के पहले सप्ताह तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद ही टिकट बुकिंग सेवा शुरू होगी। इस एयरपोर्ट का निर्माण स्विस कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल कर रही है। कंपनी 40 साल तक इस एयरपोर्ट को रन करेगी। पूरा बनने के बाद ये एशिया का चौथ सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा।

### सर्वोत्तम रनवे की वजह से स्मूथ लैंडिंग

रनवे पर पहली सफल लैंडिंग के बाद वहां मौजूद अतिथियों से पायलट ने अपने अनुभव भी साझा किए। वहां उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि पायलट ने रनवे को सर्वोत्तम बताया और बेहद ही स्मूथ लैंडिंग की जानकारी देकर आवश्यक नेविगेशन प्रदर्शन प्रक्रियाओं और इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की तारीफ की।

### अप्रैल की तारीखें होंगी अहम

एयरपोर्ट शुरू करने में अब तक तय कैलेंडर की तारीखों में लक्ष्य पाने की चुनौती होगी। तय समय पर लाइसेंस नहीं मिला तो 17 अप्रैल से छह महीने तक एयरपोर्ट से उड़ान शुरू नहीं हो सकेगी। क्योंकि देश दुनिया में उड़ान शुरू करने के 70 दिन पहले सभी प्रकार की प्रक्रिया को पूरा करने का नियम ह।, अन्य एयरपोर्ट को शुरू हो रहे नए एयरपोर्ट के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जा सके।

### तय समय पर होंगे जरूरी काम

- एयरोड्रोम लाइसेंस के लिए आवेदन दिसंबर में किया जाएगा, जोकि 90 दिन यानी कि मार्च तक मिलेगा
- एयरपोर्ट के बारे में दूसरे देशों की एयरपोर्ट अथॉरिटी को बताने की एआईपी पब्लिकेशन 6 फरवरी को होगा
- छह फरवरी के बाद अंतरराष्ट्रीय और घरेलू फ्लाइट के लिए टिकट बुकिंग सेवा शुरू हो जाएगी
- 17 अप्रैल 2025को एयरपोर्ट से कामर्शियल फ्लाइट शुरू हो जाएगी

## 5 साल में 40 प्रतिशत महंगी हो गई जेवर में प्रॉपर्टी

**ग्रेटर नोएडा।** नोएडा एयरपोर्ट के कारण जेवर में प्रॉपर्टी की कीमत आसमान छू रही हैं। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंट ने भी अपनी रिपोर्ट में इसका दावा किया है। कहा है कि उत्तर प्रदेश का जेवर 8 उभरते रियल एस्टेट माइक्रो मार्केट्स में शामिल हैं। पिछले 5 साल में यहां पर जमीन 40 प्रतिशत महंगी हो गई हैं। जो वर्ष 2023 तक 50 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद हैं। जेवर के साथ भारत के उभरते बाजारों में सोनीपत, गांधीनगर, अहमदाबाद, डोड्डाबल्लापुर बंगलुरू, ओरागदम चेन्नई और हैदराबाद तेलंगाना, महाराष्ट्र, शामिल हैं।

गौतमबुद्ध नगर के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बन रहा हैं। एयरपोर्ट की घोषणा के बाद से ही यहां पर जमीन की कीमत कई गुना बढ़ चुकी हैं। सोमवार को रियल एस्टेट कंसल्टेंट कोलियर्स इंडिया ने एक रिपोर्ट 'इंफ्रास्ट्रक्चर एंड मेगा प्रोजेक्ट्स-द की एनबलर्स ऑफ अर्बन एक्सपेंशन इन इंडिया' जारी कर कहा है कि अब जेवर में जमीन की कीमतों में 40 प्रतिशत का इजाफा हुआ हैं। जो वर्ष 2030 तक 50 फीसदी तक पहुंच जाएगा। इसका कारण नोएडा एयरपोर्ट के साथ-साथ मेट्रो विस्तार और थीम आधारित शहर जैसे प्रोजेक्ट हैं। इस दौरान 5,000 रुपये से 7,000 रुपये प्रति वर्ग फुट की देर से जमीन बिक रही हैं। वर्ष 2030 तक जमीन की कीमत बढ़कर 10,482 रुपये प्रति वर्ग फुट हो जाएगी। ब्यूरो

## टप्पल और पिसावा जट्टारी होगा एयरपोर्ट का फ्लाइंग जोन

**जेवर ।** दिल्ली एयरपोर्ट से इंडिगो के विमान ने उड़ान भरने के 10 मिनट बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फ्लाइंग जॉन में प्रवेश कर लिया और एयरपोर्ट लैंडिंग और टेकऑफ के लिए लगाए गए उपकरणों की जांच के लिए हवा में उड़ान भरता रहा। इस दौरान विमान ने जेवर, रबूपुरा, जहांगीरपुर व अलीगढ़ के टप्पल, जटटारी व पिसावा तक उड़ान भरी। जिन कस्बे और गांव के ऊपर से होकर बेहद कम ऊंचाई पर विमान ने उड़ान भरी उन गांव में भी ग्रामीणों ने विमान को देख जेवर एयरपोर्ट पर ट्रायल के बारे में जानकारी लेने के लिए अपने परिचतों से बात की और सफल लैंडिंग की खबर पर खुशी का इजहार किया है। इंडिगो का विमान दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद सीधे एयरपोर्ट के ऊपर से होते हुए अलीगढ़ के पिसावा क्षेत्र तक गया। जिसके बाद वापस लौटा तो जहांगीरपुर क्षेत्र से होते हुए फिर से एयरपोर्ट के रनवे तक पहुंचा और फिर रबूपुरा की तरफ उड़ान भरी। रबूपुरा के नजदीक से जेवर की तरफ एयरपोर्ट फ्लाइंग जोन का रूख किया और टप्पल जटटारी के हवाई क्षेत्र से होते हुए फिर से दयानतपुर की तरफ पहुंचा जहां से सीधे रनवे की तरफ घुमते हुए इतिहास रचा। संवाद

# पश्चिमी यूपी के विकास का पहिया बनेगा नोएडा एयरपोर्ट

शशांक मिश्र

### ट्रांसपोर्ट हब के रूप में होगी यमुना सिटी की नई पहचान

**ग्रेटर नोएडा।** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के शुरू होने पर ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी की नई पहचान ट्रांसपोर्ट हब के रूप में होगी। एनसीआर के साथ नोएडा एयरपोर्ट पश्चिमी यूपी के विकास का भी पहिया बनेगा। कारण, पश्चिमी यूपी से जुड़ा यह एयरपोर्ट महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिससे यहां के लोगों को देश के अन्य हिस्सों और विदेशों से जुड़ने में आसानी होगी। यहां के उद्योगों और व्यवसायों को बढ़ावा देने में मदद करेगा, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

दरअसल, पश्चिमी यूपी में सहारनपुर से लेकर मेरठ और अलीगढ़ से फिरोजाबाद तक यूपी के एक जिला एक उत्पाद की धूम देश ही नहीं दुनिया में है। एयरपोर्ट के साथ ही कारगो सेंटर, हवाई जहाज के मरम्मत, रखरखाव और संचालन हब जैसी परियोजनाएं रोजगार के बड़े अवसर देंगी।

इतना ही नहीं, एयरपोर्ट के निर्माण के बाद से ही देश ही नहीं विदेशों तक से बड़ी कंपनियां और निवेशक एयरपोर्ट के आसपास बड़ी परियोजनाओं में निवेश को आतुर हैं। यमुना सिटी में अमेरिका, दक्षिण कोरिया, और जापान की कई बड़ी कंपनियां निवेश की तैयारी में है। अकेले अमेरिकन सिटी परियोजना में ही करीब 32 अरब डॉलर का निवेश होने की संभावना है। ऐसे में आबादी के विस्तार और परियोजनाओं की स्थापना पश्चिमी यूपी में छोटे व्यवसायों के लिए बड़े अवसर के रुप में साबित होगी।

# नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले विमान की सफल लैंडिंग

**सपना साकार** ▶ इंडिगो एयरलाइंस के वीटी आइएफआइ विमान ने क्रू मेंबर के साथ दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट से भरी थी उड़ान

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- दोपहर करीब 12 बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भरी उड़ान, दस मिनट में नोएडा एयरपोर्ट के एरियल स्पेस में पहुंचा
- एरियल स्पेस में करीब डेढ़ घंटे तक उड़ान भरी व नेविगेशन समेत अन्य डाटा जुटाया, दोपहर 1.30 बजे रनवे की पूर्व दिशा में लैंडिंग की

नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर पहली बार उतरे इंडिगो विमान को वाटर कैनन से सलामी। जितेंद्र सिंह

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए सोमवार का दिन इतिहास में दर्ज हो गया। एयरपोर्ट पर पहले विमान की सफल लैंडिंग हुई। आसमान में डेढ़ घंटे उड़ान भरने के बाद इंडिगो एयरलाइंस के वीटी आइएफआइ विमान ने दोपहर करीब डेढ़ बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 3,900 मीटर लंबे रनवे के पूर्वी दिशा को छुआ। पूरा एयरपोर्ट परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। रनवे पर दौड़ते विमान को अपने मोबाइल में कैद करने को सभी आतुर हो उठे। वाटर कैनन से विमान का नवनिर्मित एयरपोर्ट पर स्वागत हुआ। केंद्रीय मंत्री केआर नायडू व अन्य अधिकारियों ने नारियल फोड़ व चालक दल के सदस्यों का स्वागत किया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वाणिज्यिक सेवा शुरू करने से पूर्व एयरपोर्ट पर उपकरणों की तकनीकी, सुरक्षा आदि जांच अनिवार्य थी। पिछले बुधवार को महानिदेशालय नागर विमानन की टीम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण कर यहां विमान उतारने की अनुमति दी थी। इंडिगो एयरलाइंस के वीटी आइएफआइ विमान ने क्रू मेंबर के साथ दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट से दोपहर करीब 12 बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी। दस मिनट में नोएडा एयरपोर्ट के एरियल स्पेस में पहुंचने के बाद करीब डेढ़ घंटे तक विमान ने उड़ान भरी व नेविगेशन समेत अन्य डाटा एकत्र किया। दोपहर 1.30 बजे विमान ने रनवे की पूर्व दिशा में लैंडिंग की। रनवे के पश्चिम छोर से होकर विमान टर्मिनल बिल्डिंग के सामने पहुंचा, जहां वाटर कैनन से पानी की बौछार कर स्वागत हुआ। विमान की एक झलक देखने को टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण कार्य में जुटे हजारों कारीगर जुट गए।

शासन के अधिकारियों से लेकर यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. यापल, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. नियाल, एयरपोर्ट का निर्माण कर रही कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स के अधिकारी विमान के साथ सेल्फी व फोटो खिंचवाते दिखे। दोपहर करीब 2.45 बजे विमान ने पश्चिम दिशा से पूर्वी दिशा की ओर रनवे पर दौड़ते हुए नोएडा एयरपोर्ट से टेक आफ किया। नोएडा एयरपोर्ट पर पहले विमान की सफल लैंडिंग और टेकआफ से गदगद केंद्रीय नागर विमानन मंत्री केआर नायडू ने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट देश-दुनिया के लिए प्रतिष्ठित परियोजना है। बैलिडेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग से यह साकार हुआ। दिल्ली-एनसीआर के साथ पश्चिम उत्तर प्रदेश को इसका फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के निर्माण में किसानों के सहयोग व कामगारों की दिन-रात की मेहनत का परिणाम है कि इसे निर्धारित समय में तैयार किया गया। एयरपोर्ट से वाणिज्यिक सेवा शुरू करने में मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट निर्माण में बिना किसी हानि के पांच करोड़ श्रम घंटे खर्च हुए हैं। यह अपने आप में रिकार्ड है। पिछले 10 साल में देश में एयरपोर्ट की संख्या लगभग दोगुना हो चुकी है। 2014 में 74 एयरपोर्ट थे जो 2024 में 150 हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 16 एयरपोर्ट संचालित हैं। नोएडा एयरपोर्ट 17वां होगा। यह डबल इंजन की सरकार से संभव हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट से आर्थिक विकास के फायदे को समझा। जेवर अभी तक पिछड़ा इलाका था, पर आज यह पश्चिम उत्तर प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है। इससे रोजगार, होटल इंडस्ट्री, व अन्य सहयोगी उद्योग विकसित होंगे। सांसद डा. महेश शर्मा ने कहा कि एयरपोर्ट से जेवर क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दर्ज हो चुका है। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह, नियाल सीईओ डा. अरुणवीर सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, निदेशक नागरिक उड्डयन विभाग कुमार हर्ष, यापल सीईओ क्रिस्टाफ श्नेलमैन, सीओओ किरण जैन आदि मौजूद रहे।

### तीन साल दो माह 11 दिन में हुआ एयरपोर्ट निर्माण

नियाल सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट का निर्माण तीन साल दो माह 11 दिन में हुआ है। यह अपने आप में रिकार्ड है। वैलिडेशन फ्लाइट में क्रू मेंबर के साथ डीजीसीए, एएआइ के अधिकारी भी एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। नियाल के नोडल आफिसर शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि विमान की सफल लैंडिंग से मिले आंकड़ों के साथ दिसंबर में एयरो ड्रम लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा। 31 मार्च 2025 से पहले लाइसेंस मिलने की संभावना है।

# नए भारत का नया 'उत्तर प्रदेश' अब नई उड़ान भर रहा : योगी

नोएडा, विशेष संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सफल ट्रायल के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा कि आज का दिन देश और उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक है! प्रधानमंत्री के यशस्वी मार्गदर्शन में 'विकास के रन-वे' पर 'नए भारत का नया उत्तर प्रदेश' नई उड़ान भर रहा है।

मुख्यमंत्री ने लिखा, एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर पर प्रथम वैलिडेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग पर प्रदेश का हर नागरिक गर्वित और हर्षित है। यह एयरपोर्ट मुख्यमंत्री योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस पर वह निगाहें बनाए हुए थे। किसानों को आवास पर बुलाकर वार्ता की। किसानों के बीच भी जाकर उन्होंने वार्ता की थी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहली बार उतरे विमान को वाटर कैनन सलामी मिली।

## उत्तर प्रदेश के अन्य एयरपोर्ट की स्थिति

- कुशीनगर एयरपोर्ट 2021, अयोध्या का एयरपोर्ट इस साल चालू हुआ।
- लखनऊ, वाराणसी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का विस्तार किया गया
- आगरा, त्रिशूल (बरेली) गोरखपुर, हिंडन, प्रयागराज, कानपुर, सहारनपुर एयरपोर्ट का विस्तार
- गोरखपुर के नए एयरपोर्ट के लिए काम चल रहा है। इसके लिए यूपी ने 1172 करोड़ बजट रखा है।
- मुरादाबाद, आजमगढ़, अलीगढ़, चित्रकूट, श्रावस्ती एयरपोर्ट शुरू
- ललितपुर, सोनभद्र, मेरठ में एयरपोर्ट का काम चल रहा है।